विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ लखीसराय

नीतू कुमारी, विषय- हिंदी , वर्ग-पंचम, दिनांक-23-06-2021

एन.सी.ईआर.टी पर आधारित पाठ-7 चेतक

आज की कक्षा में कविता का शेष भाग अध्ययन करना है-

हय ही रहा अब यहां नहीं,

वह वही रहा, है वहां नहीं।

थी जगह न कोई जहां नहीं,

किस अरि- मस्तक पर कहां नहीं,

बढ़ते नद -सा वह लहर गया,

वह गया ,गया फिर ठहर गया।

विकराल ब्रज़मय बादल- सा,

अरि की सेना पर कहर गया।

भला गिर गया, गिरा निषंग,

हय-टापों से खन गया अंग

बैरी समाज रह गया दंग,

घोड़े का ऐसा देख रंग।

गृहकार्य-

दिए, गए कविता याद करें।